(b) Does not arise.

(c) and (d). It is the policy of the Government to encourage the development of handicrafts including brass and bell metal industry. The All India Handicrafts Board have been assisting the brass and bell metal industry in the country in diversifying the line of production by evolving new export oriented designs and making them available to the industry through their four Regional design Centres.

Artisans, Middlemen and Traders engaged in Brass and Bell Metal Industry

6322. SHRI R P DAS: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the number of artisans, middlemen and traders engaged in the Brass and Bell Metal Industry in West Bengal;

(b) whether Government are aware of the sad plight of the artisans in the State of West Bengal, if so, the rate of wage per artisans per day; and

(c) the number of days in a month for which the artisans are engaged on the production of Brass and Bell metal wares?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A. C. GEORGE): (a) There are about 20,000 artisans and 2000 middlemen and traders engaged in Brass and Bell Metal Industry in West Bengal.

(b) There is no peculiarity in the working conditions of the artisans in West Bengal. The rate of wage for artisans per day varies from 2/- to Rs. 5/- depending on the individual skill and craftsmanship.

(c) About 20 days in a month.

बिहार खादी ग्रामोद्योग संघ में अनियमितताओं के सम्बन्ध में जांच प्रतिवेदन

6323. **श्री कमल मिश्र मधुकर :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार खादी ग्रामोद्योग संघ के नियामक मंडल ने खादी ग्रामोद्योग में फैली अनियमितताओं की जांच करने के लिये श्री के० रामचन्द्र और श्री रतीश दत्ता द्वारा वर्ष 1969 में एक जांच समिति का गठन किया था ;

(ख) क्या समिति ने जांच पूरी कर ली थी और प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया था ;

(ग) यदि हां, तो उस प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों की मुख्य बातें क्या हैं, और

(घ) सरकार ने उन सिफारिशों पर क्या कार्यवाही की है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) जी हां ।

(ख) समिति की रिपोर्ट अभी आनी है ।

(ग) और (घ) ऊपर (ख) को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।

बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग संघ के बारे में बडेरा समिति का प्रतिवेदन

6324. **श्री कमल मिश्र मधुकर :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग संघ के कार्यकरण की जांच करने के लिये